सिंचित स्थितियों के अधीन पैकेज प्रणाली

उपजाति	जी 4
दूरी	(150+90)x 60 सें.मी.
खाद (गोबर खाद)	25 मी.ट. / है /वर्ष
रासायनिक उर्वरक (एनपीके किग्रा/हे/वर्ष)	350:140:100
सिंचाई	6-7 दिनों के अंतराल में 1.5 एकड़ – इंच
प्रति वर्ष की फसलों की संख्या	पाँच

उपयोग

* उत्तरावस्था द्विप्रज रेशमकीट पालन हेतु उपयुक्त
* उच्च मूल जीव भार और मूलोत्पति के कारण जल उपयोग क्षमता बढ़ती है ।
* उच्च आहार क्षमता (वी 1 की अपेक्षा बेहतर पी ई सी एस)
* पीडक एवं रोगों के प्रति मध्यम सहनशील

जी 4 उच्च उत्पादक शहतूत उपजाति है और केंरेबो द्वारा संचालित विस्तृत मूल्यांकन परीक्षणों के बाद दक्षिण क्षेत्र के कृषकों के लिए सिफारिश की गई है । केंरेअप्रसं, मैसूरु जी 4 उपजाति के बीज बागानों की स्थापना कर चुके है और दक्षिण भारत के रेशम उत्पादकों के हितलाभ के लिए नई उपजाति की आपूर्ति करने में जुट गए है ।

संपर्क करें

निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान

(आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित)

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय

भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008

दूरभाष : 0821–2362845 फैक्स : 0821 2362845

वेबसाइट : www.csrtimys.res.in ईमेल : csrtimys.csb@nic.in

जी 4
उन्नत शहतूत उपजाति

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान

(आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित)

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय

भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008

Copies: 1000 Ocotober 2017 Design & Layout: J. Justin Kumar